

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. 

--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

**D-1609****Test Booklet No.**

Time : 2 1/2 hours]

**PAPER-III  
MUSIC**

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 26

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।

(ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

**D-1609****P.T.O.**

<b>FOR OFFICE USE ONLY</b>	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation)

Date .....

**MUSIC**  
**संगीत**

**PAPER – III**  
**प्रश्नपत्र – III**

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

## SECTION – I

### खण्ड – I

**Note :** This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and each carries **five (5)** marks. **(5 × 5 = 25 Marks)**

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Hindustani Sangeet is based on Raga Sangeet and all the elements of music are developed on the basis of Raga. The elements of Rag were evolved and developed in Vedic yug if we analyse the seven Swaras of Samgan, their singing style, and stotradi etc. But the development of Raga into pure classical form has occurred after Bharat. Matanga has analysed the characteristics of Ragas in “Brahadeshi Grantha” and defined a Raga by saying that Raga is evolved out of Jati. We also get references of Raga in Mahakavya, Shiksha Grantha, and Puran etc. after Vedic Yug. By the 12<sup>th</sup> century Ragas and Prabandhas used in Ragas were fully developed and by the period of Ratnakar, one domain of Rag Gayan is finished. In the Court of Allauddin Khilji, Ameer Khusro used and experimented the new form of Ragas and created many new Ragas by a mixture of Persian and Hindustani Ragas. After that Sultan Hussain Sharki of Jaunpur created many new Ragas. We mean to say that though tradition of Raga is old and very rich, but there has been a continuous change in the form of Ragas in accordance with the taste and temperament of people. In ancient music Dhruva in Rag-Gayan, use of old texts, Prabandha Gayan, then in medieval period Dhrupad, and then various forms of Khyal Gayan like Thumri, Chaturang, Sadra etc. were developed. The same tradition of Ragas are being practised and followed in present day music also. But the change in the taste of people is natural from ancient to present times. The form of Ragas prevalent 200 years ago does not exist at present. Also many Ragas which were popular in the period of Matanga were vanished by the time of Sarangadeva. The Ragas of Sarangadev like Bhairav, Varati, Gurjari, Basant, Dhannasi, Deshi, Bhairavi, Lalita, Mallar, Velavali etc. have a changed form in present day music. The different form of these Ragas from Sarangdev to present provides us the changing pattern of Ragas in absence of notation system. Raga chitra and Raga Dhyana also denote the old form of Ragas. Some South Indian Ragas have been adopted in Northern music and some old Ragas have been vanished and few Ragas like Jog, Marubihag and Jogkauns have become very popular.

Today we do not find the purity of Gharanas in one Raga because of the mixture of various Gharanas in music. There is a difference in Swaras of Ragas. In fact Aroh, Avaroh, Pakad, Vadi, Sambadi, Swar combinations of a particular Raga show the rules and purity of Ragas. What we mean to say is that in this changing phase of music, teachers have to give training to their pupils by keeping in view the changing pattern as well as the purity of Ragas both.

हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति राग संगीत पर आधारित है और राग ही वह केन्द्र है जिसके आधार पर संगीत के समस्त तत्त्वों का विकास होता है । सामगान में सप्तस्वरों का प्रयोग, सामगान की विधि, स्तोत्रादि को देखते हुये कहा जा सकता है कि राग में लगने वाले तत्त्वों का विकास वैदिक युग में हो चुका था । राग का शास्त्रीय रूप में विकास

भरत के बाद ही हुआ है, मतंग ने बृहददेशी ग्रंथ में रागों का लक्षणयुक्त विवेचन कर राग की परिभाषा देते हुये रागों की उत्पत्ति जातियों से मानी । वैदिक युग के पश्चात महाकाव्य, शिक्षा ग्रन्थ, पुराण आदि ग्रंथों में राग का उल्लेख मिलता है । बारहवीं शताब्दी तक आते-आते राग का तथा उसमें प्रयुक्त होने वाले प्रबन्धों का पर्याप्त विकास हो चुका था और रत्नाकार के काल तक राग गायन का एक युग समाप्त हो जाता है । अलाउद्दीन खिलजी के दरबार में अमीर खुसरो ने राग के नए रूपों का प्रयोग किया और पारसी तथा हिन्दुस्तानी रागों को मिलाकर नवीन रागों की रचना की । उसके बाद 15वीं शताब्दी में जौनपुर के सुल्तान हुसैन शर्की ने अनेक नवीन रागों की रचना की । कहने का अभिप्राय है कि जैसे तो राग परम्परा प्राचीन एवं अत्यन्त समृद्ध है किन्तु जनरुचि के अनुसार समय-समय पर रागों के स्वरूप में परिवर्तन हुये हैं । प्राचीन गायन में राग गायन में ध्रुवा, प्राचीन गीतों का प्रयोग, उसके पश्चात प्रबन्ध गायन, मध्यकाल में ध्रुपद तथा उसके पश्चात ख्याल गायन की अन्य शैलियों जैसे ठुमरी, चतुरंग, सादरा आदि का विकास हुआ । रागों की इसी प्राचीन परम्परा के प्रचलन का आज भी हिन्दुस्तानी संगीत में निर्वाह हो रहा है । किन्तु प्राचीन काल से लेकर आज तक जनरुचियों में परिवर्तन आ जाना अनिवार्य है । दो सौ वर्ष पहले जो राग का स्वरूप था वह आज नहीं । मतंग के समय में प्रचलित रागों में शार्ङ्गदेव के समय तक आते-आते कई रागों का लोप हो गया । शार्ङ्गदेव के रागों में भैरव, वराटी, गुर्जरी, बसंत, धन्नासी, देसी, भैरवी, ललिता, मल्लार, वेलावली आदि रागों में प्राचीन व प्रचलित रागों में अन्तर दिखता है । यह अन्तर हमें बंदिशों के माध्यम से स्वरलिपि के अभाव में रागों के बदलते रूप का ज्ञान देता है । राग रागिनी चित्रों व राग ध्यानों से भी पुराने रागों का स्वरूप पता लगता है । कुछ दक्षिण के राग उत्तरी संगीत में आये हैं, कुछ रागों का लोप हो गया है और कुछ राग जैसे जोग, मारुविहाग, जोगकोंस अधिक प्रचलित हो गये हैं ।

आज विभिन्न घरानों के मिश्रण के कारण बंदिशों में एक घराने की राग शुद्धता नहीं है । स्वरों में भिन्नता है । आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, सम्वादी, स्वर संगतियों से राग के नियम और शुद्धता का ज्ञान होता है । कहने का तात्पर्य है कि आज के बदलते हुये परिवेश में शिक्षकों का कर्त्तव्य हो जाता है कि रागों के बदलते हुये शास्त्रीय स्वरूप के साथ ही राग शुद्धता का ध्यान रखकर शिक्षण प्रदान करें ।

1. What is the significance of Raga Sangeet in Music ?

संगीत में राग संगीत का क्या महत्त्व है ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

2. In which period the development of the classical form of Ragas started and when did this development reached its full bloom ?

राग के शास्त्रीय स्वरूप का विकास कब से प्रारंभ हुआ और किस काल में रागों का पर्याप्त विकास हो चुका था ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

3. Describe the musical contribution of Ameer Khusro.

अमीर खुसरो का सांगीतिक योगदान बताइये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

4. What changes occurred from Prachin Gayan, Rag Gayan of Medieval Period to the form of Ragas in modern period ? What is the reason of this changing pattern of Ragas ?  
प्राचीन गायन, मध्यकाल में राग गायन में और वर्तमान में रागों के स्वरूप में क्या परिवर्तन आये और उस परिवर्तन का क्या कारण रहा ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

5. Discuss the duties of a music teacher in imparting music education in the institutional system of music.  
संस्थागत शिक्षण प्रणाली में एक संगीत शिक्षक के उत्तरदायित्वों पर चर्चा कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

SECTION – II

खण्ड – II

**Note :** This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks. **(15 × 5 = 75 Marks)**

**नोट :** इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । **(15 × 5 = 75 अंक)**

6. How the timbre or quality of Nada is related to overtones ? Explain.  
नाद की जाति अथवा गुण किस प्रकार सहायक नादों (overtones) से सम्बन्धित हैं ? बताइये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

7. Define Varna and explain the various kinds of Varna.  
वर्ण की परिभाषा बताइये व उसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन करिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



8. What is meant by Gati-Bhed and Jati-Bhed ? Clarify the same by giving few examples.

गति-भेद और जाति-भेद से क्या तात्पर्य है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

9. Describe in brief the key signature and time signature of Western Music.

पश्चात्य संगीत के की सिग्नेचर एवं टाइम सिग्नेचर की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

10. Express your views on the importance and utility of Shadaj-Pancham and Shadaj Madhyam Bhava and their role in deciding Vadi-Sambadi Swara in a Raga.

राग में षड्ज-पंचम और षड्ज मध्यम भाव का महत्त्व एवं वादी-संवादी स्वरों के निर्धारण में इनकी उपयोगिता पर विचार व्यक्त कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

11. What is an interval ? Explain the various intervals of a scale in brief.

स्वरान्तर से क्या तात्पर्य है ? संपूर्ण सप्तक में विभिन्न स्वरान्तरों का संक्षेप में वर्णन कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

12. Discuss the merits and demerits of Tempered Scale.

समानान्तर सप्तक के गुण-दोष बताइये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

13. Show the significance of folk music in rituals and various festivals.

संस्कारों व विभिन्न उत्सवों में लोक संगीत का महत्त्व दर्शाइये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

14. Discuss the importance and objectives of higher education with special reference to music education.

उच्च शिक्षा के महत्त्व व उद्देश्य की चर्चा संगीत शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

15. What is the similarity between Aesthetics and Rasa ? Also explain the kinds of Rasa in brief.

सौन्दर्य एवं रस में समानता बताते हुये रस के प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

16. Explain the chronological establishment of twelve swaras of modern music on twenty two shruties in brief.

बाईस श्रुतियों पर आधुनिक पद्धति के बारह स्वरों की स्थापना का क्रम संक्षेप में बताइये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

17. Explain some of the kinds of Rabindra Sangeet.

रबीन्द्र संगीत के कुछ प्रकारों का वर्णन करिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

18. What is the place of Sangatis and Vakra swaras in the Raga ? State some examples.  
संगतियों और वक्र स्वरों का राग में क्या स्थान है ? कुछ उदाहरण दीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

19. Show the importance of Sarang Ang in the varieties of Kanhara and state few examples by Ragas.

कान्हणा के प्रकार में सारंग अंग के महत्त्व को दर्शाइये व कुछ रागों में उदाहरण भी दीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



## ELECTIVE – I

### ऐच्छिक – I

#### (Hindustani Music – Vocal and Instrumental)

#### (हिन्दुस्तानी संगीत - गायन एवं वादन)

21. “The general objective of research is the advancement of knowledge.” In this context, what should be the research methodology ? Write.

“शोध का सर्वमान्य उद्देश्य ज्ञान को आगे बढ़ाना है,” इस सन्दर्भ में शोध की क्या प्रणाली या स्वरूप होना चाहिये ? लिखिये ।

22. “Presentation of Rag is a piece of art and all the aesthetical concepts of Indian music are included in it.” Justify this statement.

“राग प्रस्तुतिकरण कलाकृति है और उसमें भारतीय संगीत की सभी सौन्दर्य धारणाएँ समा गई हैं ।” इस कथन की व्याख्या कीजिये ।

23. “The folk music preserves the history of our traditions and values.” Justify this statement.

“अपनी परम्पराओं और मान्यताओं का इतिहास लोक गीतों में सुरक्षित है ।” इस कथन की पुष्टि कीजिये ।

24. “The origin and development of all the Gharanas have been under the Royal Patronage.” Describe and also write why some of the Gharanas were less in practice, while other gharanas became more popular.

“संगीत के सारे घरानों का जन्म और विस्तार पुरानी सामन्तशाही में ही हुआ है ।” वर्णन कीजिये तथा लिखिये कि कुछ घरानों का प्रयोग क्यों कम हुआ, जबकि अन्य घराने अधिक लोकप्रिय हुये ।

25. What do you understand by ‘interdisciplinary approach’ in music teaching ? Also write that which subjects have possibility of such an approach with music teaching. Explain in detail.

संगीत शिक्षा में ‘इंटरडिसिप्लिनरी एप्रोच’ (आन्तरानुशासनिक दृष्टिकोण) से क्या तात्पर्य है ? यह भी लिखिये कि किन-किन विषयों के साथ संगीत की उपरोक्त शिक्षा संभव है ? विस्तार से समझाइये ।

OR / अथवा



## ELECTIVE – II

### ऐच्छिक – II

#### (Karnataka Music – Vocal, Instrumental and Percussion)

#### (कर्नाटक संगीत – गायन, वादन एवं अवनद्ध)

21. Analyse the Navagraha Kritis of Muttuswamy Dikshitar.  
मत्तुस्वामी दीक्षितर की नवग्रह कृतियों का विश्लेषण कीजिए ।
22. Describe the folk music of your region highlighting the classical elements in it.  
अपने क्षेत्र के लोक संगीत के लक्षण बताइए और उसमें निहित शास्त्रीय तत्वों को उजागर कीजिए ।
23. Explain the different parts of structure of Mridanga of Karnatak Music.  
कर्नाटक संगीत की मृदंग की रचना के भिन्न भागों को स्पष्ट कीजिए ।
24. Give an account of the contribution of Prof. P. Sambamurthy to music field as a musicologist.  
संगीत के क्षेत्र में, संगीतशास्त्री के रूप में प्रो. पी. साम्बामूर्ति के योगदान का ब्योरा दीजिए ।
25. “Raga-Tana-Pallavi is the epitome of a musician’s technical and creative abilities.”  
Justify.  
“राग-तान-पल्लवी संगीतवेत्ताओं की प्रविधिक और सृजनात्मक योग्यताओं का सार है ।” सिद्ध कीजिए ।

OR / अथवा

**ELECTIVE – III**

**ऐच्छिक – III**

**(Rabindra Sangeet)**

**(रबीन्द्र संगीत)**

21. Write the akarmatrik notation of the sthayee of the song मन जागो मंगल लोके and explain its devotional flavour.

‘मन जागो मंगल लोके’ गीत के स्थाई की आकार्मात्रिक स्वरलिपि लिखिए और उसमें भक्ति भाव को स्पष्ट कीजिए ।

22. Find out the song (Rabindra Sangeet) set to Pancham Sawari tal. Write down its distribution of beats (matra-bibhag) of this tal. State your note of appreciation for such a tal used by Rabindranath.

रबीन्द्र संगीत का जो गीत पंचम स्वारी ताल में बद्ध है वो बताइए । इस ताल का मात्रा विभाग लिखिए । रबीन्द्र नाथ द्वारा उपयोग की गई ऐसी ताल की अपनी समझ बताइए ।

23. “The detailed exhibitionism of Chhayanat is not an art.” Explain with reference to the context.

“छायानट की विस्तृत प्रदर्शन-प्रवृत्ति कला नहीं है ।” सन्दर्भ के सम्बन्ध में इसकी व्याख्या कीजिए ।

24. To whom did Rabindranath dedicate his work Phalguni ? What was his contribution to the world of Rabindra Sangeet ?

रबीन्द्रनाथ ने अपनी कृति ‘फाल्गुनी’ किसको समर्पित की ? उनका रबीन्द्र संगीत के प्रति क्या योगदान था ?

25. Who was Alain Danielou ? What did he do for the cause of Indian music including Rabindra Sangeet ?

अलैन डानियलू कौन थे ? उन्होंने रबीन्द्र संगीत समेत भारतीय संगीत को बढ़ाने के लिये क्या किया ?

**OR / अथवा**

**ELECTIVE – IV**

**ऐच्छिक – IV**

**(Percussion Instruments)**

**(अवनद्ध-वाद्य)**

21. Name the main styles (BAJ) of Tabla/Pakhawaj and describe in detail any one of them with examples.

तबला/पखावज के प्रमुख बाजों के नाम बताइये तथा उनमें से किसी एक का विशद वर्णन उदाहरण सहित कीजिये ।

22. Explain the merits and demerits of a Tabla/Pakhawaj player.

तबला/पखावज वादक के गुण-दोषों की समीक्षा कीजिये ।

23. Write in Notation one Quada of Aadi-Laya and render 5 palats and one Tihai.

आड़ी लय का कोई एक कायदा ताल लिपि में लिखिये तथा उसकी 5 पलटें व एक तिहाई बनाकर लिखिये ।

24. Write about right procedure of Solo-Playing of Tabla/Pakhawaj and describe such an artist of National repute.

तबला/पखावज के स्वतन्त्र-वादन के सही ढंग को बताइये तथा राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त किसी एक ऐसे कलाकार का सम्पूर्ण विवरण लिखिये ।

25. Write in Notation Taal Jhumara in Aadi-Laya, and Quadi-Laya.

ताल झूमरा को आड़ी तथा क्वाड़ी लय में लिपिबद्ध कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---























Lined writing area with 26 horizontal lines.

**SECTION – IV**

**खण्ड – IV**

**Note :** This section consists of **one** essay type question of **forty (40)** marks to be answered in about **one thousand (1000)** words on any **one** of the following topics.

**(1 × 40 = 40 Marks)**

**नोट :** इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है ।

**(1 × 40 = 40 अंक)**

26. Express your views on the utility of modern trends of music like Music direction, Composer, Orchestra, Brinda-Gan, Musicology, Folk music, Music criticism, manufacturing of music instruments etc., after Independence.

स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय संगीत की नवीन प्रवृत्तियों में संगीत निर्देशन, कंपोजर, बृंदवादन, समूह गान, संगीत शास्त्र, लोक संगीत, संगीत समालोचना, वाद्ययंत्रों के निर्माण आदि की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

**OR/अथवा**

Express your views on the industrialization of music.

संगीत के औद्योगिकीकरण पर अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

**OR/अथवा**

‘Music is not only a means of spiritual attainment or entertainment, but it has its therapic usage also.’ Discuss.

‘संगीत केवल अध्यात्म की प्राप्ति अथवा मनोरंजन का साधन मात्र ही नहीं है, बल्कि इसके अपने चिकित्सीय गुण भी हैं’ – चर्चा कीजिये ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



















